

## ये आँखे बरस रही

ये आँखे बरस रही मेरी कन्हिया आया न  
मिलन को तरस रही बैरी कन्हियाँ आया न  
वादे सारे टूट गए हैं काहे कन्हिया रूठ गए हैं  
फिर भी मैंने प्यार तेरा ना भूलाया है,  
ये आँखे बरस रही मेरी कन्हिया आया न

क्यों ये जुदाई का गम साहा जायेना  
क्यों इक पल भी चैन मुझको अब आये न  
तेरे संग जो वक्त बिताया याद मुझे वो आता है  
अब तो आज हरजाई तू कितना रुलाता है  
कैसे कलेजा तुझे चीर के दिखाऊ  
मैंने खुद से भी ज्यदा तुझे चाहा है  
ये आँखे बरस रही मेरी कन्हिया आया न

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17453/title/ye-ankhe-bars-rahi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |